जागृति

वर्ष:64 अंक:3 मुम्बई फरवरी 2020

नितिन गडकरी द्वारा टाइटन के विशेष संस्करण खादी घड़ियों का लॉन्च

समय से अप्रभावित एक स्मृति को कातता-चरखा

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष:64 अंक:3 मुम्बई फरवरी 2020

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

उप संपादक
सुबोध कुमार

वरिष्ठ हिंदी अनुवाद अधिकारी
सरस्वती खनका

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
सुबोध कुमार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड,
विले पार्ले (पश्चिम), मुंबई -400056
के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में

समाचार सार ..... 3 से 15

नितिन गडकरी ने टाइटन के विशेष संस्करण खादी घड़ियों को लॉन्च करते हुए चरखे की कताई को कालातीत बताया.....

राज्य स्तरीय प्रदर्शनी "खादी बाजार".....

केवीआईसी के डायरी और कैलेंडर 2020 का लोकार्पण.....

पुरी के 120 कुम्हार कारीगरों को विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित.....

एमएसएमई मंत्री ने सीबीआरटीआई, पुणे में मधुमक्खीपालन सम्मेलन में भाग लिया....

30वें त्रिपुरा उद्योग एवं वाणिज्य मेले में खादी पवेलियन का उद्घाटन.....

एमएसएमई सचिव ने ऋषिकेश में हनी हट का दौरा किया.....

आयोग के अध्यक्ष द्वारा इलाहाबाद में आयोजित राष्ट्रीय खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन.....

आयोग के अध्यक्ष द्वारा नासिक स्थित त्र्यंबक विद्या मंदिर तथा एक दूरदराज आदिवासी गांव का दौरा.....

आयोग ने 71 वां गणतंत्र दिवस मनाया.....

नगरोटा की उग्रवाद प्रभावित महिलाओं द्वाराबनाए गए खादी रुमाल का गुजरात में भी बिक्री की शुरुआत.....

आयोग द्वारा गुजरात में प्रसिद्ध 'पटोला साड़ी' के प्रथम सिल्क प्रोसेसिंग संयंत्र का उद्घाटन .....

जीएनएमडीटीसी, दहाणु में महिलाओं के लिए उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन .....

विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रम.....

विद्युत चालित कुम्हारी चाक एवं अन्य उपकरणों का वितरण.....

प्रेस कवरेज .....16 से 21

नितिन गडकरी ने टाइटन के विशेष संस्करण खादी घड़ियों को लॉन्च करते हुए चरखे की कताई को कालातीत बताया

चरखे का भारत के इतिहास में एक शाश्वत स्थान है। यह महात्मा गांधी द्वारा काता गया चरखा ही था, जिसने भारतीय स्वतंत्रता का नेतृत्व किया। फिर वही चरखा पुनःएक बार खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) और टाइटन, टाटा समूह की कंपनी द्वारा की गई एक संयुक्त पहल में समय से अप्रभावित एक स्मृति को कातने जा रहा है।

शहीद दिवस के अवसर पर, महात्मा गांधी की 72 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी द्वारा राज्य मंत्री श्री प्रताप चंद्र सारंगी और केवीआईसी के अध्यक्ष श्री वीके सक्सेना और टाइटन के सीईओ श्री रविकांत की उपस्थिति में, विशेष रूप से टाइटन द्वारा डिज़ाइन और खादी निर्मित कलाई घड़ियों के सीमित संस्करण का अनावरण किया गया।

खूबसूरती से डिज़ाइन की गई खादी संस्करण की घड़ी की पृष्ठभूमि और बेल्ट पर हाथ से बुने हुए विशेष वस्त्र के साथ प्रतिष्ठित चरखे को दर्शाता एक रजत डायल है। घड़ी की ग्रे-काली बनावट समय से अप्रभावित अनछुए महत्व को दर्शाती है। सादगीपूर्ण यह घड़ी 'खादी की आत्मा' का प्रतिनिधित्व करती है।

केवीआईसी और टाइटन के प्रयासों की सराहना करते हुए, श्री नितिन गडकरी ने कहा, "महात्मा गांधी का मानना था कि चरखे की प्रत्येक क्रांति शांति, सदभावना और प्रेम कातती है। दो चीजें जो महात्मा के सबसे करीब थीं, वो थीं खादी और उनकी घड़ी। इस पहल से एक ऐसे उत्पाद का निर्माण होगा, जिससे उनके दिल के निकट दोनों उत्पादों का संयोजन है ।"

श्री गडकरी ने आगे कहा कि, "यह घड़ी उन प्रयासों का स्मरण कराती है, जो केवीआईसी देश के दूरस्थ भागों तक पहुंचाने

के लिए, आत्म निर्भरता प्रदान करने के लिए प्रति दिन कर रहा है। यह पहल शहरी युवा वर्ग के हितों के लिए लक्षित है, जो राष्ट्र के विकास में अपना योगदान करना चाहते हैं, साथ ही साथ पेशेवर करियर के लिए भी आगे आ रहे हैं। इन सीमित संस्करण की खादी-टाइटन घड़ियों की बिक्री के साथ हम न केवल राष्ट्र के प्रति अपनेपन की भावना पैदा करने का लक्ष्य रखते हैं, बल्कि ग्रामीण भारत के लिए रोजगार का सृजन करने हेतु योगदान की भावना भी रखते हैं।"

केवीआईसी द्वारा बाजार में समकालीन खादी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए, अध्यक्ष केवीआईसी श्री वी.के. सक्सेना ने कहा, "खादी अब केवल प्राचीन वस्त्र नहीं रह गया है बल्कि यह परिवर्तन का ऐसा कालातीत वस्त्र है जो प्रति दिन ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन बदल रहा है।

केवीआईसी नित नई-नई खोज कर रहा है और नए रुझानों और डिजाइनों को उपयोग में ला रहा है जो भारतीय और साथ ही अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में लोगों को आकर्षित कर सके। "हमने नई सोच और विचारों के दरवाजे खोले हैं, जो खादी वस्त्र तथा खादी और ग्रामोद्योगों के विकास में सहायक सिद्ध हो सकते हैं, जिससे ग्रामीण उद्यमियों और खादी कारीगरों को बढ़ावा मिलेगा । यह हमारे लिए खादी के सम्मान को धारण करने का समय है, जिससे इसे वह सम्मान और गरिमा प्राप्त हो, जिसकी वह हकदार है।"

सक्सेना ने आगे कहा, " 10 टाइटन घड़ियों का निर्माण करने के लिए एक वर्ग मीटर खादी वस्त्र का उपयोग किया जाएगा। फिलहाल 1000 ऐसी घड़ियों (टाइमपीस) की बिक्री करने का प्रस्ताव है"।

पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए इस विशेष संस्करण की लागत 5000 रु. हैं| इस प्रकार की ब्रांडेड घड़ी की कीमत बाजार में 5 से 10 हजार के बीच होगी, हालाँकि इस घड़ी से भारतीयता की अमूल्य भावना जुड़ी है। खादी घड़ी की यह सीमित शृखला, टाइटन वेबसाइट के साथ-साथ आज से पूरे देश में खादी और टाइटन स्टोर पर उपलब्ध होगी।

लॉन्च के अवसर पर बोलते हुए, श्री रविकांत ने कहा कि खादी भारत में और दुनिया भर में, हाथ से बने, हाथ से बने होने की विशिष्टता के कारण पूजनीय है और वास्तव में एक टिकाऊ कपड़ा है। उन्होंने कहा कि हम महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती और उनके शहादत दिवस के अवसर पर केवीआईसी के सहयोग से इस विशेष संस्करण खादी संग्रह को लॉन्च करके खुश हैं।

❑❑

राज्य स्तरीय प्रदर्शनी "खादी बाजार"

माननीय एमएसएमई मंत्री श्री नितिन गडकरी ने 10 जनवरी, 2020 को नागपुर में आयोग के मण्डलीय कार्यालय, नागपुर और सामुदायिक सेवा संस्थान, जिला भंडारा द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रदर्शनी "खादी बाजार" के समापन समारोह की अध्यक्षता की।

केवीआईसी के डायरी और कैलेंडर 2020 का लोकार्पण

माननीय एमएसएमई मंत्री श्री नितिन गडकरी ने 7 जनवरी, 2020 को नई दिल्ली में एमएसएमई सचिव डॉ. अरुण कुमार पांडा और खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना की उपस्थिति में केवीआईसी के खादी डायरी और कैलेंडर 2020 का औपचारिक रूप से लोकार्पण किया।

पुरी के 120 कुम्हार कारीगरों को विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित

भुवनेश्वर: केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) राज्य मंत्री, श्री प्रताप चन्द्र सारंगी ने आज पुरी में 'विद्युत चालित कुम्हारी चाक' का वितरण किया और कहा कि ओडिशा में यह वित्तीय स्थिति को बढ़ाने और कुम्हारों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

विद्युत चालित कुम्हारी चाक कुम्हार के शारीरिक श्रम को कम कर देंगे और इसे परिवार में सभी लोग चला सकते हैं। श्री सारंगी ने कहा कि यह समय के अनुकूल है और इससे उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के तहत, विशेष रूप से पिछले साल फैनी चक्रवात द्वारा प्रभावित लोगों के लिए, पहले चरण में 120 परिवारों को मुफ्त में कुम्हारी चाक को वितरित किया गया है। "यह पहली बार है कि केंद्र सरकार ने इन लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए इस तरह की पहल की है। हमारे पास 500 और कुम्हारों की सूची है और हम जल्द ही विद्युत चालित कुम्हारी चाक को मंजूरी देंगे,

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा, "हमें उम्मीद है कि यह प्रयास कारगर सिद्ध होगा और जो हमारे उत्पादन को बढ़ावा देगा।"

एक लाभार्थी कुम्हार ने कहा, मिट्टे के घड़ों के अलावा, हम विद्युत चालित कुम्हारी चाक के साथ टेराकोटा उत्पाद बनाने की कोशिश करेंगे। ❖❖

एमएसएमई मंत्री ने सीबीआरटीआई, पुणे में मधुमक्खीपालन सम्मेलन में भाग लिया

माननीय केंद्रीय एमएसएमई, सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने आयोग के केन्द्रीय मधुमक्खीपालन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र, पुणे में मधुमक्खी पालन सम्मेलन में भाग लिया और मधुमक्खीपालकों एवं उद्यमियों के साथ बातचीत की।

30वें त्रिपुरा उद्योग एवं वाणिज्य मेले में खादी पवेलियन का उद्घाटन

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री में 29 जनवरी, 2020 को 30 वें त्रिपुरा उद्योग एवं वाणिज्य मेले में खादी पवेलियन का उद्घाटन किया। खादी पवेलियन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए त्रिपुरा के मुख्यमंत्री।

एमएसएमई सचिव ने ऋषिकेश में हनी हट का दौरा किया

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम सचिव डॉ. अरुण कुमार पांडा ने ऋषिकेश (उत्तराखंड) स्थित हनी हट का दौरा किया। इसे 2010-11 में केवीआईसी के पीएमईजीपी योजना के तहत हिमालयन प्राकृतिक विज्ञान सोसायटी द्वारा स्थापित किया गया और यह ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स द्वारा वित्तपोषित है। इसकी परियोजना लागत १० लाख रु. के समक्ष ८.५० लाख रु. आवधिक ऋण दिया गया है, जिसकी ५०००० लाख रु. की कार्यशील पूंजी है। वर्तमान में इस इकाई द्वारा लगभग १४० लाख रु. के टर्नओवर के साथ 9 लोगों को रोजगार प्रदान किया जा रहा हैं।

❖❖

आयोग के अध्यक्ष द्वारा इलाहाबाद में आयोजित राष्ट्रीय खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने इलाहाबाद में आयोजित राष्ट्रीय खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

इस प्रदर्शनी का आयोजन 14 जनवरी से 14 फरवरी 2020 तक किया गया था, जिसमें 16 राज्यों की 204 खादी और ग्रामोद्योगी संस्थाओं/इकाइयों ने भाग लिया। इस प्रदर्शनी में मुख्य आकर्षण का केन्द्र चरखे और करघे का जीवांत प्रदर्शन था।

आयोग के अध्यक्ष द्वारा नासिक स्थित त्र्यंबक विद्या मंदिर तथा एक दूरदराज आदिवासी गांव का दौरा

आयोग के अध्यक्ष ने नासिक में आयोग के डा. अंबेडकर ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान का दौरा किया।

इसके साथ ही उन्होंने नासिक जिले के तालुका सर्जन में एक दूरदराज के आदिवासी गांव कोपारी का दौरा किया,

जहां 11 जनवरी, 2020 को आदिवासी लोगों को मधुमक्खीपालन की गतिविधियों में संलग्न करने के लिए 200 मधुमक्खी बॉक्स दिए गए।

इस दूरस्थ क्षेत्र में केवीआईसी द्वारा पहला प्रयास है।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने चेन्नई के मायलापुर में खादी इंडिया फ्रेंचाइजी का उद्घाटन किया।

आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा, वित्तीय सलाहाकार सुश्री उषा सुरेश डीआरपीएससी आई की बैठक में , यह बैठक डॉ. के केशव राव की अध्यक्षता में 9 जनवरी, 2019 को होटल ट्राइडेंट नरीमन पॉइंट, मुंबई में आयोजित की गई।

आयोग ने 71 वां गणतंत्र दिवस मनाया

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने अपने केंद्रीय कार्यालय, मुंबई में आज 71 वां गणतंत्र दिवस मनाया। खादी और ग्रामोद्योग आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा, वित्तीय सलाहकार, सुश्री उषा सुरेश, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वाय. के. बारामतिकर और सभी वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी इस अवसर पर उपस्थित थे, एवं उन्होंने भारत के संविधान के प्रति श्रद्धा प्रकट की।

उत्सव की शुरुआत खादी और ग्रामोद्योग आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई। अपने भाषण में, मुख्य कार्यकारी अधिकारी महोदया ने भारत के संविधान के महत्व पर प्रकाश डाला और इसकी अद्वितीय विशेषताएं जैसे कि संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य संविधान की प्रस्तावना में निहित हैं। उन्होंने केवीआईसी द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न फ्लैगशिप कार्यक्रमों और इसकी उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला और संगठन के लिए और अधिक प्रशंसनीय कार्यों के लिए जन मानस को प्रेरित किया, जिसे सामाजिक आर्थिक तबके के गरीबों के जीवन को छूने के उद्देश्य से शुरू किया गया था।

भाषण के बाद साठे कॉलेज और गांधी शिक्षण मंडल, जुहू के छात्रों द्वारा राष्ट्रीय गान और कई अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया गया।

नगरोटा की उग्रवाद प्रभावित महिलाओं द्वारा बनाए गए खादी रुमाल का गुजरात में भी बिक्री की शुरुआत

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने 1 फरवरी, 2020 को अहमदाबाद में नगरोटा, जम्मू के उग्रवाद प्रभावित महिलाओं द्वारा बनाए गए खादी रुमाल की बिक्री शुरू की।

इस खादी रुमाल को लॉन्च करने की श्रृंखला में यह दूसरा कार्यक्रम था। इससे पूर्व में केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नितिन गडकरी द्वारा नई दिल्ली में 16 दिसंबर, 2019 को औपचारिक रूप से इस खादी रुमाल को लॉन्च किया गया था।

भारत में 8000 से अधिक खादी दुकानों में शुद्ध सूत से निर्मित यह खादी रुमाल की 1, 3 और 5 के पैक में बिक्री की जाएगी।

ऑनलाइन बिक्री को परिचालितकरने के लिए, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने सभी जगह रुमाल की उपलब्धता को बढ़ाने हेतु 'पेटीएम' जैसे ई-कॉमर्स पोर्टल के साथ भी करार किया है।

❑❑

आयोग द्वारा गुजरात में प्रसिद्ध 'पटोला साड़ी' के प्रथम सिल्क प्रोसेसिंग संयंत्र का उद्घाटन

गुजरात की ट्रेडमार्क साड़ी 'पटोला' अत्यंत महंगी मानी जाती है और केवल शाही एवं धनाढ्य परिवारों की महिलाएं ही इसे पहनती हैं। कारण यह है कि इसके कच्चे माल रेशम के धागे को कर्नाटक अथवा पश्चिम बंगाल से खरीदा जाता है, जहां सिल्क प्रोसेसिंग इकाइयां (यूनिट) अवस्थित हैं। इसी वजह से फैब्रिक की लागत कई गुना बढ़ जाती है।

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने अपनी एक ऐतिहासिक पहल के तहत आज गुजरात के सुरेन्द्रनगर में प्रथम सिल्क प्रोसेसिंग प्लांट का उद्घाटन किया, जिससे रेशम के धागे की उत्पादन लागत को काफी कम करने के साथ-साथ गुजराती पटोला साड़ियों के लिए स्थानीय स्तर पर कच्चे माल की उपलब्धता एवं बिक्री बढ़ाने में मदद मिलेगी।

यह संयंत्र एक खादी संस्थान द्वारा 75 लाख रुपये की लागत से स्थापित किया गया है, जिसमें केवीआईसी ने 60 लाख रुपये का योगदान किया है। इस यूनिट में 90 स्थानीय महिलाएं कार्यरत हैं, जिनमें से 70 महिलाएं मुस्लिम समुदाय की हैं।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि "भारतीय शिल्प और संस्कृति को बढ़ावा देना केवीआईसी की पूर्व से ही सर्वोच्च प्राथमिकता रही है।

इस तरह के एक संयंत्र का उद्घाटन करना, नए वर्ष की शुरुआत करने का इससे बेहतर तरीका और कोई नहीं हो सकता है, उन्होंने कहा कि कोकून को कर्नाटक एवं पश्चिम बंगाल से लाया जाएगा और रेशम के धागे की प्रोसेसिंग स्थानीय स्तर पर की जाएगी, जिससे उत्पादन लागत घट जाएगी और इसके साथ ही प्रसिद्ध गुजराती पटोला साड़ियों की बिक्री को काफी बढ़ावा मिलेगा। सुरेन्द्रनगर जिला दरअसल गुजरात का एक पिछड़ा जिला है, जहां केवीआईसी ने सिल्क प्रोसेसिंग प्लांट की स्थापना के लिए 60 लाख रुपये का निवेश किया है। इसका मुख्य उद्देश्य निकटवर्ती क्षेत्र में पटोला साड़ियां तैयार करने वालों के लिए किफायती रेशम को आसानी से उपलब्ध कराते हुए पटोला साड़ियों की बिक्री को बढ़ावा देना और लोगों की आजीविका का मार्ग प्रशस्त करना है।

खादी भारतीयता की भावना है, परिवर्तन का वस्त्र है। यह वह बदलाव है जो खादी चाहता है और यह सिर्फ शुरुआत है।"

परम्परागत रूप से भारत के हर क्षेत्र में सिल्क की साड़ियों की अनूठी बुनाई होती है। उल्लेखनीय है कि पटोला सिल्क साड़ी को भी शीर्ष पांच सिल्क बुनाई में शुमार किया जाता है।

सुरेंद्रनगर जिला गुजरात में एक पिछड़ा जिला है जहाँ केवीआईसी ने रेशम प्रसंस्करण संयंत्र का निर्माण करने के लिए नजदीकी क्षेत्र में ६० लाख रु. का निवेश किया इससे वहाँ पर आजीविका का सृजन होगा और पटोला साड़ी निर्माताओं को कम लागत पर रेशम उपलब्ध होगा तथा इससे अधिकतम मात्रा में पटोला साड़ियां तैयार करके इसकी बिक्री को बढ़ावा दिया जाएगा।

पारंपरिक रूप से, भारत के हर क्षेत्र में सिल्क साड़ी के लिए अपनी अनोखी बुनाई हुई है। यह काफी उल्लेखनीय है कि पटोला सिल्क साड़ी उन शीर्ष पांच रेशम बुनाई में से एक है जो हर भारतीय साड़ी प्रेमी की अलमारी की शोभा बढ़ाती है।

केवीआईसी के प्रयासों की सराहना करते हुए, सयंत्र में नए कार्यरत रेशम कार्यकर्ता नूर फातिमा ने कहा, "यह नया साल मेरे और मेरे परिवार के लिए एक नया जीवन लेकर आया है। मैं पूर्व में एक दैनिक मजदूर के रूप में कार्यरत्त हूं और मैं मामूली जरूरतों के लिए अपने पति पर निर्भर थी। अब मैं अपना जीवन यापन स्वयं कर सकती हूं, अपनी गरिमा अर्जित कर सकती हूं और साथ ही अपनी पारंपरिक कला और संस्कृति को बढ़ावा देने में मदद कर सकती हूं।

उसने कहा, मैं इस पहल का हिस्सा बनकर खुद को भाग्यशाली महसूस कर रही हूं। केवीआईसी मेरे लिए एक तारणहार के रूप में आया है, और इस सयंत्र से जुड़ी उन सभी महिला श्रमिकों के लिए, जिन्हें अब जीवन में एक उद्देश्य मिल गया है।"

कार्यक्रम में स्थानीय सांसद डॉ. महेंद्र मुंजपारा और गुजरात खादी बोर्ड के अध्यक्ष कुशल सिंह पडारिया और कई खादी संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

❖❖

जीएनएमडीटीसी, दहाणु में महिलाओं के लिए उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

आयोग के गजानन नाईक बहु-उद्देश्यीय प्रशिक्षण केन्द्र (जीएनएमडीटीसी), दहाणु के समन्वय से आयोग की महिला सशक्तिकरण समिति ने 24.01.2020 को दहाणु में महिलाओं के लिए एक उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को केवीआईसी के विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जागरूक करना था जो उन्हें एक उद्यमी बनने में मदद करेंगे और बदले में स्वयं को सशक्त बनाएंगे और जरूरतमंदों को रोजगार देंगे।

आयोग के गजानन नाईक बहु-उद्देश्यीय प्रशिक्षण केन्द्र, दहानु की उप निदेशक / प्रधानाचार्य डॉ. किरण उइके ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और केवीआईसी के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की।

आगे उन्होंने खादी और ग्रामोद्योग आयोग की योजनाओं जैसे पीएमजी, स्फूर्ति इत्यादि के संबंध में विस्तृत रूप में जानकारी दी।

डॉ. दीपाली देशमुख, बीएएमएस एमडी ने महिला स्वास्थ्य और स्वच्छता पर व्याख्यान दिया।

इस कार्यक्रम में 80 महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया | यह प्रतिभागियों के साथ एक विचार विमर्श सत्र था। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

❖❖

विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रम

आयोग के लेखा परीक्षा निदेशालय द्वारा एनआईएमएसएमई, हैदराबाद में 02 से 04 जनवरी, 2020 तक केवीआईसी के आंतरिक लेखा परीक्षा कार्मिकों के लिए लेखा परीक्षा और लेखा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आयोग की वित्तीय सलाहाकार श्रीमती उषा सुरेश ने प्रशिक्षण कार्यक्रम आंतरिक लेखा परीक्षा कार्मिकों को संबोधित किया।

कुम्हारों को प्रशिक्षण, सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए, आयोग के मण्डलीय कार्यालय, वाराणसी ने 22 फरवरी को उत्तर प्रदेश के चुनार में कुम्हार सशक्तिकरण मिशन कार्यक्रम के तहत 10 दिनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

महिला कार्य बल को कई गतिविधियों में शामिल करने और इच्छुक उद्यमी को प्रोत्साहित करने के लिए, आयोग के बहुउद्देश्यीय प्रशिक्षण केन्द्र, पटना ने मधुबनी, बिहार में अगरबत्ती बनाने का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया।

केवीआईसी, कोलकाता ने मालदा, पश्चिम बंगाल में हस्तनिर्मित कागज और रेशा उद्योग पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

मैजलबाग कम्युनिटी चैरिटेबल सोसायटी, मालदा ने 14.01.2020 को होटल सनराइज, गाज़ोल ब्लॉक में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम में लगभग 120 कारीगरों ने भाग लिया।

विद्युत चालित कुम्हारी चाक एवं अन्य उपकरणों का वितरण

आयोग के राज्य कार्यालय, देहरादून ने 6 फरवरी 2020 को हरिद्वार में 40 प्रशिक्षित कुम्हारों को विद्युत चालित कुम्हारी चाक और ब्लंगर्स वितरित किए।

इस अवसर पर उपस्थित रेलवे के अधीक्षक श्री संतोष कुमार ने रेलवे स्टेशन पर इन कुल्हड़ों का उपयोग करने का आश्वासन दिया।

❑❑

राज्य स्तरीय पीएमईजीपी प्रदर्शनी 28 जनवरी से नगर परिषद मैदान, ऊना जिला (हिमाचल प्रदेश) में 10 दिनों की अवधि के लिए शुरू हुई, जिसका उद्घाटन श्री वीरेंद्र कंवर, माननीय ग्रामीण विकास मंत्री, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा किया गया।

जिसमें हिमाचल प्रदेश के जिला अधिकारियों / प्रशासन ने भी भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान, कुम्हार सशक्तिकरण के तहत, माननीय मंत्री द्वारा ब्लंगर मशीन के साथ 20 कारीगरों को 20 नग इलेक्ट्रिक कुम्हार पहिए भी वितरित किए गए।

❖❖

Khadi marks its presence at the Hon'ble Prime Minister's Swearing-in Ceremony at Rashtrapati Bhawan

New Delhi: When its biggest brand Ambassador Shri Narendra Modi was taking oath again as Prime Minister of India on 30th May at Rashtrapati Bhawan, Khadi too was making its presence in a very novel way – being the carrier of water-bottles served there to the dignitaries present.

As per the purchase order given by the President's Secretariat, the Kumarappa National Handmade Paper Institute (KNHPI), Jaipur – a Khadi and Village Industries Commission (KVIC) unit - had supplied altogether 7,000 handmade paper carry bags, sizing 10 inch by 4 inch – to keep those water bottles. These paper bags hold uniqueness as under KVIC's ambitious project REPLAN (REducing PLAstic in Nature), the waste plastic from nature is collected, followed by the process of cleaning, chopping, beating and chemical treatment for softness. After that, it is mixed with the paper raw material i.e. cotton rags pulp in a ratio of 80 % (pulp) and 20% (plastic waste) and finally sheet making.

Enthused with this order for the biggest event of democracy, KVIC Chairman Vinai Kumar Saxena said that it was a matter of pride for KVIC that 'Khadi India' logo was prominently showcased on the water-bottles' carrying handmade paper bags of all the dignitaries attending the swearing-in ceremony at Rashtrapati Bhawan. "It was like 'Khadi India' was saluting its patron from all angles at that event. If Khadi's growth in Prime Minister Shri Narendra Modi's first term is any indication, we are all set to add many more feathers in Khadi's cap in the coming days," he said, adding, "other can be a better example of following Prime Minister's clarion call of '*Swachhata Abhiyaan*' than REPLAN by KVIC, which had not only derived a proportional yet novel way to reduce the plastic menace – one of the biggest problems of contemporary world, but also revived this 26-year-old KNHPI to make the institution self-reliant."

It may be noted here that till the date, KNHPI has supplied over seven lakh handmade paper bags and it has consumed over 17 metric tonnes of plastic waste in this paper bag manufacturing.

खादी, ग्रामोद्योग में पांच साल में 5 लाख करोड़ का कारोबार करने की क्षमता : गडकरी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि नवाचार और गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की मदद से खादी एवं ग्रामोद्योग में अगले पांच सालों में पांच लाख करोड़ रुपये का कारोबार करने की क्षमता है। इसमें डेनिम, शहद और रूमाल जैसे अन्य उत्पाद शामिल हैं। एमएसएमई, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, मौजूदा समय में खादी एवं ग्रामोद्योग का कारोबार 75,000 करोड़ रुपये का है। इस साल इसके एक लाख करोड़ रुपये पर पहुंचने की संभावना है। इसमें अगले पांच साल में सालाना 5 लाख करोड़ रुपये के कारोबार तक पहुंचने की संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र के तहत 38,000 तरह के उद्योग आते हैं। गडकरी ने कहा कि यह क्षेत्र अब तक 11 करोड़ नौकरियां सृजित कर चुका है और अगले पांच साल में पांच करोड़ और रोजगार सृजित करेगा।

KVIC opens first silk processing plant in Gujarat

This was a historic initiative taken by Khadi and Village Industries Commission

OUR CORRESPONDENT

Patola, the trademark Saree of Gujarat, is considered to be very costly and worn only by the Royals or the Aristocrat. Reason being the raw material that is silk yarn is purchased from Karnataka or West Bengal, where silk processing units are situated, thus increasing the cost of the fabric manifolds.

In a historic initiative taken by Khadi and Village Industries Commission (KVIC), a first Silk processing plant was inaugurated today at Surendranagar in Gujarat which would help cut down the cost of production of silk yarn drastically and increase the sale and availability of raw material for Gujarati Patola sarees locally. The plant has been set up by a khadi institution at a cost of Rs 75 lack in which KVIC has contributeed Rs 60 lakh. The unit has employed 90 local women, of which belong to the Muslim community.

Chairman, KVIC V K Saxena said, "Promoting the Indian crafts and culture has been the top most priority of KVIC since its inception. There could have been no better way to start the new year, than by inaugurating a one of a kind plant, where cocoons will be brought from Karnataka and West Bengal and silk yarn will be processed in house, thus reducing the cost of production and giving a major boost to the sale of famous Gujarati patola sarees– one of the most eminent symbol of Indian craftsmanship.

Khadi is the spirit of Indianness, the fabric of transformation. This is the transformation that Khadi seeks, and it is just the beginning."

Surendranagar district is a backward district in Gujarat where KVIC has invested Rs. 60 Lakhs to build the silk processing plant, in order to generate livelihood and boost sales of patola sarees by making silk more ready available at a low cost, for the Patola s... turers in the nearby ...

Traditionally, ev... India has had its own ... for the silk saree. It ... ble that patola silk s... the top five silk we... desired in every Ind... wardrobe.

Appreciating ... KVIC, Noor Fati... employed silk wo... said, "This new y... a new life for me ... used to work as a ...

Chairman, KVIC V K Saxena along with others at the inauguraton of first silk processing plant in Gujarat

PROFIT-SHARING MODEL IN MIND

Min Mulls Corporatising KVIC's Marketing Unit

Looks to boost organisation's turnover to ₹5 L cr

Nishtha.Saluja
@timesgroup.com

Spinning a New Look

Govt feels 'corporate culture' required to market khadi

Incentive-based structure likely for marketing entity

MSME ministry acts on RBI panel's directive

External agency to be roped in

₹75,000 cr KVIC turnover in 2018-19

₹1 lakh cr Expected turnover in 2019-20

New Delhi: The government is considering corporatising the marketing arm of Khadi Village and Industries Commission (KVIC) as it looks to boost the organisation's turnover to ₹5 lakh crore, two officials aware of the matter said.

"KVIC and the government are now exploring the possibility of assigning the marketing function to a professional entity on a profit-sharing basis," a government official closely associated with the development told **ET**.

The talks are, however, at a preliminary stage, the official added.

Minister for micro, small and medium enterprises (MSMEs) Nitin Gadkari has been pushing for modernisation of khadi and increasing KVIC's revenues in the second term of the BJP government.

KVIC had reported a turnover of ₹75,000 crore in 2018-19. It is expected to touch ₹1 lakh crore in 2019-20.

A Reserve Bank of India-led panel in its report on the MSME sector had recommended such a measure last year.

"The committee recommends KVIC should be corporatised with focus on promotional work. The marketing function may be hived off and also corporatised to enable private participation and enabling (the) use of khadi in the private sector," the recommendations of the panel had said.

"We want that at least on the marketing, and exports side of things, we can introduce corporate culture," a second official told ET, seeking anonymity. "This will help quick decision making."

The Khadi and Village Industries Commission Act, 1956 allows KVIC "to promote the sale and marketing of khadi or products of village industries or handicrafts and for this purpose forge links with established marketing agencies wherever necessary and feasible".

KVIC has, however, maintained that corporatisation of the organisation is not required and has conveyed the same to the MSME ministry through a letter, a third official said.

The MSME ministry is also working to set up four design centres for modernising khadi as a textile, and the agency may also look into the marketing of these centres, the official said.

Work or get ousted: Gadkari to 'deadwood'

Dipak.Dash@timesgroup.com

New Delhi: Union minister Nitin Gadkari on Monday slammed non-performing officers and warned they could be shown the exit door. While terming them as "dead assets", minister said they should not test the patience of government indefinitely adding that Prime Minister Narendra Modi has asked him about the steps being taken against such officers.

While speaking at the annual Road Safety Week event, Gadkari minced no words to register his frustration with bureaucracy. "The non-productive, non-performing, dead assets in the government should be shown the exit door. There should not be any hesitation. They lack sensitivity, they lack decision-making and sit on a file for years. They neither take decisions nor allow others to take decisions...There is a limit to testing one's patience," the minister said.

He claimed that while PM appreciated the pace of highway construction at 30 km per day, he had asked the ministers about steps taken to remove "deadwood". This is not the first time when Gadkari has made such observations against bureaucrats and engineers at public events since he assumed charge of road transport ministry in June 2014.

Even the PM had warned officers for delay in execution of infrastructure projects tweeting in November that slow pace which impacted growth trajectory for decades "will NOT be tolerated now". Some of the officials across ministries **TOI** spoke to said top officials have packed schedules on a daily basis and there are regular meetings at the prime minister's office, cabinet secretariat, Niti Aayog and finance ministry besides other ministries.

प्रेस कवरेज

ग्रामोद्योग देणार ५ कोटी रोजगार

गडकरी यांची माहिती; लवकरच धोरण जाहीर करणार

म. टा. प्रतिनिधी, पुणे

नितीन गडकरी

'देशातील खादी-ग्रामोद्योगाची उलाढाल ७५ हजार कोटी रुपयांवर गेली असून, आगामी पाच वर्षांत ती पाच लाख कोटी रुपयांपर्यंत वाढविण्याचे नियोजन केंद्राने केले आहे. त्यामुळे पाच कोटी नवीन रोजगार निर्माण होणार असून, लवकरच त्याचे धोरणही जाहीर केले जाईल,' अशी माहिती केंद्रीय सूक्ष्म, लघु आणि मध्यम उद्योग मंत्री नितीन गडकरी यांनी दिली. शेती, ग्रामीण व आदिवासी भागात जास्तीत जास्त भांडवल गुंतवून रोजगारनिर्मिती करण्याचे ध्येय आहे. त्यामुळे नोकरीसाठी गावातून, आदिवासी भागातून शहराकडे येण्याची गरज भासणार नाही,' अशी पुस्तीही त्यांनी जोडली.

गडकरी यांनी सोमवारी पुण्यातील केंद्रीय मधमाशी संशोधन व प्रशिक्षण संस्थेला भेट दिली. जिल्हाधिकारी नवल किशोर राम, संस्थेचे संचालक प्राचार्य डॉ. संजीव राय, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय हेडाऊ, सहसंचालक डॉ. लक्ष्मी राव आदी उपस्थित होते. त्यानंतर ते पत्रकारांशी बोलत होते. 'देशाच्या एकूण राष्ट्रीय उत्पन्नात २९ टक्के वाटा सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग, तसेच खादी-ग्रामोद्योगचा निर्यात होते, तसेच ११ कोटी लोकांना रोजगार मिळतो. आता खादी-ग्रामोद्योगची उलाढाल पाच लाख कोटी रुपयांपर्यंत नेण्याचे नियोजन असून, त्यासाठी अर्थमंत्र्यांनीही सहकार्याची ग्वाही दिली आहे. त्यामुळे खादी-ग्रामोद्योग आयोगावर विशेष जबाबदारी देण्यात

विमानात मधाचे 'सॅशे' अन् खादीची 'डेनिम'

मध उत्पादकांना प्रोत्साहन देण्यासाठी 'हनी क्लस्टर' तयार करण्यात येणार आहे. त्यामध्ये साखरेच्या पाकिटांप्रमाणेच मधाचे 'सॅशे' (पाकिटे) किंवा 'क्यूब' तयार केले जातील. त्यामुळे विमाने, पंचतारांकित हॉटेल्समध्ये चहा-कॉफीसोबत साखर आणि मधाचाही पर्याय उपलब्ध राहील. यासाठी विविध विमान कंपन्यांशी चर्चा करून, विमानात साखरेसोबत मधाच्या 'सॅशे'चाही पर्याय ठेवण्याचे आवाहन करणार आहे, असेही गडकरी यांनी सांगितले. याशिवाय 'खादी डेनिम' लोकप्रिय होत असून, महात्मा गांधीजींच्या १५० व्या जयंती वर्षानिमित्त अभिनेते-अभिनेत्रींच्या मदतीने त्याचा प्रसार करण्याचा मानस आहे, असेही त्यांनी सांगितले.

टपाल खाते करणार उत्पादनांची 'डिलिव्हरी'

सरकारी संस्थांनी केलेले संशोधन सर्वसामान्यांना पाहता यावे, तसेच या संशोधनाच्या आधारे उत्पादनांची निर्मिती करता यावी यासाठी 'एमएसएमई' विभागातर्फे विशेष पोर्टल तयार करण्यात येणार आहे. उत्पादनांच्या मार्केटिंगसाठीही पोर्टल तयार केले जात असून, उत्पादन ग्राहकांपर्यंत पोहोचविण्यासाठी टपाल विभागाशी चर्चा सुरू आहे. त्यामुळे पुण्यातील व्यक्तीला थेट अरुणाचल प्रदेशमधील उत्पादन घरबसल्या खरेदी करता येईल, पर्यायाने शेतकरी-आदिवासी-ग्रामीण भागातील युवकांना रोजगार मिळेल, अशी माहितीही गडकरींनी दिली.

इंदिरा मार्केट में सजे खादी मेले में कल होगा फैशन शो

अमर उजाला ब्यूरो

मंडी। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग और हिमाचल खादी ग्रामोद्योग फेडरेशन शिमला की ओर से इंदिरा मार्केट में आयोजित राज्यस्तरीय खादी और ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में 18 और 19 जनवरी को विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

खादी ग्रामोद्योग आयोग के राज्य निदेशक मांगे राम ने बताया कि 18 जनवरी को खादी परिधान उत्सव फैशन शो और 19 जनवरी को स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों से लोगों को रूबरू करवाया जाएगा। कहा कि खादी परिधान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह फैशन शो आयोजित किया जाएगा। इसमें मॉडल केवल खादी परिधान पहनकर ही कैटवॉक किया जा सकेगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मंडी जिले के साथ-साथ प्रदेश की लोक संस्कृति की झलक भी देखने को मिलेगी।

यह कार्यक्रम 18 और 19 जनवरी को इंदिरा मार्केट में आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम खादी बाजार में शाम को 6 बजे से शुरू होंगे। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि इन कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं।

बेहतरीन प्रयास

ऊना – खादी ग्रामोद्योग की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी के दौरान एक संस्था का मॉडल निहारते मंत्री वीरेंद्र कंवर व पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतपाल सिंह सती

लघु उद्योग को सबसिडी का लाभ लें युवा

खादी ग्रामोद्योग की प्रदर्शनी के शुभारंभ पर मंत्री कंवर के बोल

नगर संवाददाता – ऊना

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, मत्स्य व पशुपालन मंत्री वीरेंद्र कंवर ने बुधवार को खादी ग्रामोद्योग की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का शुभारंभ नगर परिषद पार्किंग ऊना में किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक सतपाल सिंह सत्ती विशेष रूप से उपस्थित रहे। यहां प्रदेश व देश भर से आए लगभग 40 विभिन्न संस्थाओं के उद्यमियों ने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए हैं। वीरेंद्र कंवर व सतपाल सत्ती ने प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत 10 दिवसीय राज्य स्तरीय मेले के शुभारंभ अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्री वीरेंद्र कंवर ने कहा कि ऐसी प्रदर्शनियों से स्थानीय लोगों को लघु उद्योग लगाने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत बेरोजगार युवाओं को लघु उद्योग स्थापित करने के लिए सरकार 85 प्रतिशत उपदान प्रदान करती है। बेरोजगार युवाओं को लघु उद्योग या फिर कोई व्यवसाय अपनाने के लिए खादी ग्रामोद्योग के माध्यम से उपदान राशि लेकर इस योजना का लाभ उठाना चाहिए, ताकि वे अपनी अजीविका कमा सकें। मेले के दौरान वीरेंद्र कंवर ने कृष्ण चंद तथा बलदेव चंद को कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत विद्युत चालित चाक प्रदान किए। उन्होंने कहा कि इस योजना के अंतर्गत कुल 20 विद्युत चाक प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर उपायुक्त संदीप कुमार, अतिरिक्त उपायुक्त अरिंदम चौधरी, निदेशक खादी ग्रामोद्योग मांगे राम, जिला भाजपा अध्यक्ष मनोहर लाल शर्मा, मंडल अध्यक्ष मास्टर तरसेम, एसडीएम ऊना डा. सुरेश जसवाल, परियोजना अधिकारी डीआरडीए संजीव ठाकुर, एसएसबीएलबे सचिव देश राज गौतम, जिला पंचायत अधिकारी रमण कुमार शर्मा, डीआईसी अंशुल भीमान सहित आदि उपस्थित थे।

- देश भर की 40 संस्थाओं के उद्यमियों ने सजाए उत्पाद

वीरेंद्र कंवर ने किया खादी ग्रामोद्योग की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का शुभारंभ

प्रेस कवरेज

चुनार में कुम्हारी कला से जुड़े लोगों को दिया जाएगा प्रशिक्षण, दस दिवसीय प्रशिक्षण के बाद बांटी जाएगी इलेक्ट्रिक चाक

इलेक्ट्रिक चाक से बर्तन बनाना होगा आसान

चुनार | हिन्दुस्तान संवाद

खादी ग्रामोद्योग आयोग (सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय) की तरफ से दस दिवसीय कुम्हार सशक्तीकरण कौशल शिविर प्रशिक्षण सराय टेकौर में राम दुलारे प्रजापति के आवास पर शुरु हुआ। कुम्हार समुदाय के लोगों को इलेक्ट्रिक चाक का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इसका शुभारम्भ नपा के पूर्व चेयरमैन विजय वर्मा ने किया। प्रशिक्षण में 60 कुम्हार इलेक्ट्रिक चाक के प्रशिक्षण के लिए शामिल किए जाएंगे। इसके बाद सभी को इलेक्ट्रिक चाक मुहैया कराय जाएगी। बतौर मुख्य अतिथि पूर्व चेयरमैन विजय वर्मा ने कहाकि पत्थर के चाक को चलाने में अधिक मेहनत की आवश्यकता पड़ती है।

इलेक्ट्रिक चाक से कम मेहनत व कम समय में अधिक गमला, फूलदान, अगरदानों, कुल्हड़ आदि बनाया जा सकेगा। इससे कुम्हारी कला में जुटे लोगों की आय में वृद्धि होगी और जीवन स्तर सुधरेगा।

विकास अधिकारी नन्दलाल विश्वकर्मा ने इलेक्ट्रिक चाक के तकनीकी की बारीकी को बताया। दस दिनों तक प्रशिक्षण राम किशुन प्रजापति व मुन्नालाल प्रजापति देंगे। प्रशिक्षण लेने वालों में संतोष प्रजापति, प्यारेलाल प्रजापति, दशरथ प्रजापति, बालकिशुन प्रजापति, गुलाब प्रजापति, यमुना प्रजापति, राम अवतार प्रजापति, सुरेन्द्र प्रजापति, नन्दकुमार प्रजापति थे।

शिविर

- सराय टेकौर गांव में कुम्हार सशक्तीकरण कौशल प्रशिक्षण
- खादी ग्रामोद्योग आयोग की ओर से शुरू किया गया कार्यक्रम

चुनार में बुधवार को कुम्हार सशक्तीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम में इलेक्ट्रिक चाक मशीन के बारे में जानकारी देते पूर्व चेयरमैन विजय शर्मा।

लक्सर के खड़ंजा कुतुबपुर गांव में एक दिवसीय शिविर में लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी

खादी-ग्रामोद्योग आयोग ने कुम्हारों को बिजली के चाक दिए

लक्सर | हमारे संवाददाता

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग की तरफ से कुम्हार सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत लक्सर के खड़ंजा कुतुबपुर गांव में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में बीस प्रशिक्षित कुम्हार कारीगरों को बिजली से चलने वाले चाक एवं मिट्टी तैयार करने वाली ब्लेंडर मशीन निशुल्क दी गई। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के राज्य निदेशक रामनारायण ने शिविर की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा कामगारों को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है। कुम्हार सशक्तिकरण कार्यक्रम भी उन्हीं योजनाओं में से एक है। उन्होंने बताया कि बिजली से चलने वाले चाक और ब्लेंडर मशीनों के प्रयोग से जहां कुमारों को काम करने में आसानी होगी, वहीं वे पहले से ज्यादा काम भी कर सकेंगे। यही नहीं उनका काम तकनीकी रूप से और अच्छा हो जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई की मशीनों के प्रयोग के बाद कुम्हारों को अपने परिवार का जीवन स्तर सुधारने में मदद मिलेगी। इसके बाद आयोग की तरफ से 20 परिवारों को बिजली चालित चौक व ब्लेंडर मशीनें वितरित की गईं। शिविर में मौजूद रेलवे स्टेशन के अधीक्षक संतोष कुमार ने भरोसा दिया कि वे कुम्हारों द्वारा तैयार कुल्हड़ आदि की आपूर्ति रेलवे स्टेशन पर कराएंगे। इस मौके पर खादी ग्रामोद्योग के सहायक निदेशक बीएस कंडारी, गजेंद्र सिंह जगदीश सैनी, दीपक आदि उपस्थित रहे।

लक्सर में मंगलवार को कुम्हारों को बिजली से चलने वाले चाक दिए गए। ● हिन्दुस्तान

40 संस्थाओं ने प्रदर्शित किए खादी से बने उत्पाद

जागरण संवाददाता, ऊना : ऊना के नगर परिषद पार्किंग मैदान में दस दिवसीय राज्यस्तरीय खादी ग्रामोद्योग की प्रदर्शनी शुरू हुआ। शुभारंभ ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज मंत्री वीरेंद्र कंवर ने किया। आयोजन प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत किया जा रहा है। बुधवार को देश व प्रदेश से आई लगभग 40 संस्थाओं के उद्यमियों ने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए। मंत्री वीरेंद्र कंवर व भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतपाल सत्ती ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

मंत्री वीरेंद्र कंवर ने कहा ऐसी प्रदर्शनियों से स्थानीय लोगों को लघु उद्योग लगाने की प्रेरणा मिलती है। केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत बेरोजगार युवाओं को लघु उद्योग स्थापित करने के लिए सरकार 85 प्रतिशत उपदान दे रही है। इस प्रकार के कार्यक्रमों से एक तो स्थानीय लोगों को विभिन्न संस्थाओं द्वारा लगाए गए स्टॉलों से सामान खरीदने का मौका मिलता है, वहीं नए-नए उत्पादों को स्वयं तैयार करने की प्रेरणा भी मिलती है। युवाओं को महात्मा गांधी के पदचिह्नों पर चलना चाहिए।

इस मौके पर खादी ग्रामोद्योग आयोग उत्तर क्षेत्र के पूर्व चेयरमैन देशराज गौतम, डीसी संदीप कुमार, अतिरिक्त उपायुक्त अरिंदम चौधरी, निदेशक खादी ग्रामोद्योग मांगे राम, जीएम डीआइसी अंशुल धीमान, एसडीएम ऊना डॉ. सुरेश जसवाल, परियोजना अधिकारी डीआरडीए संजीव ठाकुर, जिला पंचायत अधिकारी रमण कुमार शर्मा, जिला भाजपा अध्यक्ष मनोहर लाल शर्मा व मंडलाध्यक्ष मास्टर तरसेम लाल शर्मा मौजूद रहे।

ऊना में राज्यस्तरीय खादी प्रदर्शनी का शुभारंभ मंत्री वीरेंद्र कंवर किया। इस दौरान बाएं से उपनिदेशक खादी एवं ग्रामोद्योग मांगे राम, मीना कंवर, वीरेंद्र कंवर, खादी ग्रामोद्योग आयोग के पूर्व चेयरमैन उत्तर क्षेत्र देशराज गौतम ● जागरण

दो लोगों को वितरित किए विद्युत चाक

वीरेंद्र कंवर ने कृष्ण चंद और बलवंत को कुम्हार सशक्तीकरण योजना के तहत विद्युत चालित चाक प्रदान किए। योजना के तहत 20 विद्युत चाक प्रदान किए जाएंगे।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री वीरेंद्र कंवर ने किया विधिवत आगाज

खादी ग्रामोद्योग की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का शुभारंभ

दो लोगों को वितरित किए विद्युत चाक

प्रेस कवरेज

कुम्हार सशक्तिकरण कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का इलेक्ट्रिक चाक चलाकर शुभारंभ करते पूर्व पालिकाध्यक्ष विजय वर्मा।

इलेक्ट्रिक चाक से बर्तन बनाएंगे कारीगर

चुनार। नगर के उस्मानपुर मुहल्ले में बुधवार को खनिज आधारित उद्योग के अंतर्गत दस दिवसीय 'कुम्हार सशक्तिकरण' कौशल प्रशिक्षण शुरू हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन खादी ग्रामोद्योग आयोग सूक्ष्म, लघु उद्यम मंत्रालय भारत सरकार के मंडलीय कार्यालय बेनियाबाग वाराणसी द्वारा किया गया। पूर्व पालिकाध्यक्ष विजय वर्मा ने इलेक्ट्रिक चाक चलाकर उद्घाटन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आये मंडलीय विकास अधिकारी नंदलाल विश्वकर्मा ने प्रशिक्षण को लेकर उदगार रखे। प्रशिक्षक राम किसुन व मुन्ना लाल प्रजापति ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद 50 उद्यमियों को इलेक्ट्रिक चाक उपलब्ध कराया जाएगा। रामदुलारे प्रजापति, नंदलाल प्रजापति, सुभाष संतोष आदि प्रमुख मौजूद रहे।

एमसी पार्किंग में सजे ग्रामोद्योग के उत्पाद

खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ, चालीस संस्थाओं ने लगाए स्टॉल

खादी ग्रामोद्योग की प्रदर्शनी का शुभारंभ करते मंत्री वीरेंद्र कंवर। -संवाद

ऊना। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, मत्स्य और पशु पालन मंत्री वीरेंद्र कंवर ने खादी ग्रामोद्योग की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का शुभारंभ नगर परिषद पार्किंग ऊना में किया। इस अवसर पर पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतपाल सिंह सत्ती भी मौजूद रहे।

यहां प्रदेश और देश भर से आए लगभग 40 संस्थाओं के उद्यमियों ने उत्पाद प्रदर्शित किए हैं। कंवर और सत्ती ने प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत 10 दिवसीय राज्य स्तरीय मेले के शुभारंभ अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्री वीरेंद्र कंवर ने कहा कि ऐसी प्रदर्शनियों से स्थानीय लोगों को लघु उद्योग लगाने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत बेरोजगार युवाओं को लघु उद्योग स्थापित करने के लिए सरकार 85 प्रतिशत अनुदान देती है। उन्होंने कहा कि बेरोजगार युवाओं को लघु उद्योग या फिर कोई व्यवसाय अपनाने के लिए खादी ग्रामोद्योग के माध्यम से उपदान राशि लेकर इस योजना का लाभ उठाना चाहिए ताकि वे आजीविका कमा सकें।

इस मौके पर उपायुक्त संदीप कुमार, अतिरिक्त उपायुक्त अरिंदम चौधरी, निदेशक खादी ग्रामोद्योग मांगे राम, जिला भाजपा अध्यक्ष मनोहर लाल शर्मा, मंडल अध्यक्ष मास्टर तरसेम, एसडीएम ऊना डॉ. सुरेश जसवाल, परियोजना अधिकारी डीआरडीए संजीव ठाकुर, एसएसबीएलजे सचिव देश राज गौतम, जिला पंचायत अधिकारी रमण कुमार शर्मा, जीएम डीआईसी अंशुल धीमान सहित गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

मेले के दौरान वीरेंद्र कंवर ने कृष्ण चंद तथा बलदेव चंद को कुम्हार सशक्तीकरण योजना के तहत विद्युत चालित चाक दिए। इस योजना के अंतर्गत 20 विद्युत चाक दिए जाएंगे।

लक्सर में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग ने कुम्हारों को दिया बिजली चालित चाक

रेलवे स्टेशन पर कुल्हड़ में चाय पीने का मजा

लक्सर में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग की ओर से कुम्हारों को बिजली चालित चाक उपलब्ध कराते (बाएं से तीसरे खड़े हुए) आयोग के निदेशक रामनारायण • जागरण

संवाद सूत्र, लक्सर: रेलवे स्टेशन पर एक बार फिर कुल्हड़ में चाय पीने का आनंद मिल सकेगा। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग ने लक्सर में कुम्हारों को बिजली चालित चाक का वितरण किया। इस दौरान स्टेशन अधीक्षक ने कुम्हारों को रेलवे स्टेशन पर कुल्हड़ की आपूर्ति कराने का आश्वासन दिया।

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग की ओर से कुम्हारों के लिए सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत लक्सर के खरंजा कुतुबपुर व थिथकी गांव में 40 प्रशिक्षित कुम्हारों को विद्युत चलित चाकों का वितरण किया। आयोग के निदेशक राम नारायण ने कहा कि विभाग की ओर से कुम्हारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। विद्युत चलित चाक पर कुम्हार कम समय में अधिक उत्पादन कर सकते हैं। इससे उनकी आर्थिक स्थिति भी बेहतर होगी। कार्यक्रम में मौजूद स्टेशन अधीक्षक संतोष कुमार ने कहा कि लक्सर रेलवे स्टेशन पर इन गांवों के कुम्हारों द्वारा तैयार किए गए कुल्हड़ की आपूर्ति की व्यवस्था कराई जाएगी।

सत्यमेव जयते

सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises,
Government of India.

Khadi India

हस्तनिर्मित

स्विट्ज़रलैंड से पेन और घड़ियाँ,
फ़्रांस से चमड़े के जूते,
इटली से पर्स व बटुए और
मिस्र से कॉटन वस्त्र.

आप इन विदेशी वस्तुओं के लिए हजारों खर्च करते हैं और खरीदते हैं,
और जब भारतीय हस्तशिल्प खरीदने की बात आती है, आप संकोच करते हैं !

इस अवसर पर

अपने शहर के किसी खादी इण्डिया आउटलेट पर जाएं,
गर्व से खरीदें उच्च गुणवत्ता के हस्तनिर्मित वस्त्र और उत्पाद,
जो आपके देशवासियों द्वारा ग्रामीण भारत में बनाये गए हैं !

क्यों विदेशी हाथों को भुगतान करें ?
भारत की आत्मीयता को महसूस करें

विनय कुमार सक्सेना
अध्यक्ष
खादी और ग्रामोद्योग आयोग
सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
वेबसाइट : www.kvic.org.in

KVIC ARTWING 2018

https://www.msme.gov.in | Follow us on minmsme @minmsme | Website: www.kvic.org.in | Follow us on kvicindia @kvicindia